

*Editorial Board - Anthology : The Research**May -2017**Executive Board***PATRON****Dr. M.D. Pathak**

Chairman, Centre for Research &  
Development of Waste & Marginal Land  
Ex. Director General, U.P. Council of  
Agriculture Research, U.P.

Ex. Director, Research and Training,  
International Rice Research Institute,  
Manila, Philipines  
pathakmd1@gmail.com

**EDITOR-IN -CHIEF****Dr. Asha Tripathi**

Senior Vice-President,  
Social Research Foundation,  
Kanpur  
asha23346@gmail.com

**EDITOR****Smt. Deepti Mishra**

Treasurer,  
S R F, Kanpur  
anthology.srf@gmail.com

**MANAGING EDITOR****Dr. Rajeev Mishra**

Secretary,  
S R F, Kanpur  
indra.rajeev@gmail.com

**EDITORIAL-ADVISORY BOARD****Anthropology****Dr. K. Bharathi**

Arba Minch University,  
Arba Minch, Ethiopia,  
North Africa

**Library Science****Dr. U. C. Shukla**

Fiji National University,  
Lautoka, Fiji  
**Dr. Chaminda Jayasundara**  
Fiji National University,  
Lautoka, Fiji

**Political Science and International  
Relation****Prof. Vandana Asthana**

Eastern Washington University,  
Cheney, WA

**English****Dr. Parul Mishra**

Amity School of Languages,  
Amity University, Rajasthan  
**Dr. Sambit Panigrahi**  
Ravenshaw University,  
Cuttack, Odisha

**Bengali****Dr. Atanu Sasmal**

Visva-Bharati Santiniketan,  
West Bengal  
**Madhushree Mukherjee**  
Acharya Jagadish Chandra Bose  
College, Kolkata, West Bengal

**Political Science****Dr. Vijay Sharaf**

Rajasthan University, Jaipur  
**Dr. Haridwar Singh**  
A.N. College, Patna

**Education****Dr. Arpita Singh**

Pro. H. N. Mishra College of  
Education, Kanpur  
**Dr. Md. Afroj Alam**  
Maulana Azad National Urdu  
University, Gachibowli,  
Hyderabad, Telangana

**Hindi****Manjula Sharma**

T.D.B. College, Raniganj,  
West Bengal  
**Kusum Kunj Malakar**  
Cotton College, Guwahati,  
Assam

**Drawing & Painting****Dr. Beena Jain**

Rajasthan University, Jaipur  
**Dr. Rekha Dhiman**  
Hamidiya College,  
Bhopal, M.P.

## सम्पादकीय.....

सुधी पाठको,

मित्रों, भारतीय शिक्षा की त्रासदी यह है कि सत्तासीन व सत्ता से बाहर सभी राजनेता व शिक्षाविद् इसके महत्व और मानव-निर्माण के महत्व को स्वीकार तो करते हैं किन्तु इस तरफ कोई ध्यान नहीं देते— यहाँ तक कि इसकी उपेक्षा भी करते रहे हैं। आर्थिक विकास की तुलना में हम विकास की तुलना में हम विकास के इस सर्वोत्तम साधन को बहुत गौण स्थान देते रहे हैं। निःसन्देह प्राथमिक शिक्षा को राष्ट्र के विकास की नींव माना जाता है लेकिन वही क्षेत्र सबसे ज्यादा उपेक्षित रहा है। अपने ही प्रदेश में प्राथमिक विद्यालयों की हालत किसी से छुपी नहीं है। लगभग 40 से 50 प्रतिशत शिक्षकों के पद रिक्त चल रहे हैं। परिणाम यह है कि एक या दो शिक्षकों से ही पूरे विद्यालय की शिक्षा व्यवस्था चलवाई जा रही है।

गुणवत्ता की दृष्टि से तो स्थिति और भी खराब है एक ओर हम सभी के लिए शिक्षा का अभियान चला रहे हैं तो दूसरी तरफ लाखों बच्चों को केवल अक्षर ज्ञान करा देने की धोखा धड़ी कर रहे हैं और राष्ट्र की भावी पीढ़ी के भविष्य को अन्धकारमय बना रहे हैं। उच्च शिक्षा की स्थिति भी कुछ इससे अच्छी नहीं है। आखिर कब तक ऐसा चलेगा? आखिर कब तक हम भारत के पढ़े लिखे कहे जाने वाले प्रबुद्ध नागरिक भी अपनी ओर से कोई अपनी पहल न करके सरकार की तरफ निहारते रहेंगे।

हम यह उम्मीद करते हैं कि आप अपने नये तार्किक विचारों को हमारे शोध प्रकाशन में प्रकाशित करते हुए शिक्षा की गुणवत्ता को बनाए रखने वाले इस यज्ञ में अपना अमूल्य योगदान देते रहेंगे।

धन्यवाद.....

(श्रीमती दीप्ति मिश्रा)  
सम्पादक

मुद्रक/प्रकाशक डा0 राजीव कुमार मिश्रा द्वारा ए. एण्ड एस. कम्प्यूटर्स, 127/1/61, डब्ल्यू-1, साकेत नगर, कानपुर से मुद्रित एवं 128/170, एच ब्लॉक, किदवई नगर, कानपुर से प्रकाशित।

संपादक : श्रीमती दीप्ति मिश्रा, Mobile No. 9335332333, 9839074762

Mail id: socialresearchfoundation2010@gmail.com, socialresearchfoundationkanpur@gmail.com, socialresearchfoundation@gmail.com, website: www.socialresearchfoundation.com